व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

– बुनाई

के लिए

स्वयं सहायता समूह - जय गायत्री माँ

एसएचजी/सीआईजी नाम	जय गायत्री माँ
वीएफडीएस नाम	सरी
रेंज	कमलाह
मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	6
5.	बाजार की संभावना	6
6.	कार्यकारिणीसारांश	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
8.	उत्पादन का विवरणप्रक्रिया	7
9.	स्वोट अनालिसिस	7-8
10.	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	8
11।	विवरणअर्थशास्त्र का	8-10
12.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	10
13.	निधि के स्रोत	10-11
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	11
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	11
16.	किनाराकर्ज का भुगतान	11-12
17.	निगरानीतरीका	12
18.	टिप्पणी	12
19.	समूह सदस्य की तस्वीरें	13
20.	समूह फोटो	14
21.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
22.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

1. परिचय-

स्वेटर और कार्डिगन बुनने के साथ-साथ मोजे, मफलर, स्कार्फ, टोपी, दस्ताने आदि बुनना मुख्य रूप से ग्रामीण भारत की महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएं इस IGA से अच्छी तरह वाकिफ हैं और वे अपने खाली समय में और साथ ही घर के अन्य कामों के साथ इसे खुशी-खुशी करती हैं। इस SHG की महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें। विभिन्न आयु वर्ग की 10 महिलाओं का एक समूह JICA परियोजना के तहत एक SHG बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया जो उन्हें इस IGA को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद। जय गायत्री माँ SHG समूह ने सामूहिक रूप से बुनाई को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में करने का निर्णय लिया है। जय गायत्री माँ SHG का गठन वर्ष 2022 में किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (JICA असिस्टेड) के सुधार के लिए परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो VFDS सरी के अंतर्गत आता है। इस SHG में 10 महिलाएं हैं। इन महिलाओं को पहले से ही बुनाई का थोड़ा अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बन जाएंगी। वे बड़े पैमाने पर बुनाई करने में सक्षम होंगी और आत्मनिर्भर होंगी और आय उत्पन्न करेंगी। इस SHG की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	जय गायत्री माँ
2.	वीएफडीएस	सरी
3.	रेंज	कमलाह
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	सरी
6.	ब्लॉक ऑफिस	धरमपुर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	10
9.	गठन की तिथि	02-01-2022
10.	बैंक खाता सं.	33410104725
11।	बैंक विवरण	हिमाचल राज्य सहकारी बैंक लोंगणी
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	1000 (प्रति व्यक्ति 100)
13.	कुल बचत	5000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/एफ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	सुषमा देवी	एफ	देश राज	सामान्य	अध्यक्ष	7018771802
2	प्रियंका ठाकुर	एफ	सुनील कुमार	सामान्य	सचिव	8894640500
3	तनुजा ठाकुर	एफ	अनिल कुमार	सामान्य	सदस्य	8988188804
4	शांता देवी	एफ	प्रताप सिंह	सामान्य	सदस्य	9459264212
5	भावना देवी	एफ	नेतर सिंह	सामान्य	सदस्य	8988367070
6	कमलाह देवी	एफ	राज पाल	सामान्य	सदस्य	6239834638
7	शकुंतला देवी	एफ	कृष्ण देव	सामान्य	सदस्य	9418039005
8	शीला देवी	एफ	सुन्दर सिंह	सामान्य	सदस्य	7876297534
9	ब्यासा देवी	एफ	ओम चंद	सामान्य	सदस्य	-
10	गोदान देवी	एफ	बांका राम	सामान्य	सदस्य	9816636846

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	110 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	2 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	लोंगनी - 4 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	धरमपुर - 15 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी - 115 किमी सरकाघाट 25 किमी धरमपुर 15 किमी सैंडहोल 15 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	सरकाघाट, धरमपुर, संधोल, अवाह देवी

5. बाजार की संभावनाएं-

बुनाई का हुनर सीखने के बाद, यह जय गायत्री माँ SHG अपने क्षेत्र और आस-पास के गाँवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेज़ी से हो रहे बदलाव के साथ बाज़ार की बहुत संभावना है, सर्दियों के मौसम में नए डिज़ाइन के स्वेटर या ऊनी कार्डिगन की माँग होगी।

शुरुआत में एसएचजी के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर सारी गांव के आसपास के स्थानीय लोग होंगे, लेकिन बाद में आस-पास के छोटे कस्बों में जाकर इस व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। इस क्षेत्र में सर्दी का मौसम काफी महत्वपूर्ण होता है और 4-5 महीने तक रहता है।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	गांव कवर - सारी
2	सिलाई कार्य की मांग	वर्ष भर तथा सर्दियों के मौसम में इसकी मांग अधिक रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर)।

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा बुनाई आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। सदस्य इस गतिविधि को अलग-अलग कर रहे हैं, लेकिन अब वे अपने कौशल को बढ़ाने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इस गतिविधि को थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए हाथ मिला रहे हैं। इस समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के ऊनी उत्पाद बनाए जाएंगे। वे सभी आयु वर्ग और लिंग को लक्षित करेंगे।सदस्यों के बीच श्रम मंडल की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है ताकि प्रत्येक सदस्य IGA को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप अतिरिक्त धन उनकी जेब में आए। यह SHG आने वाले वर्षों में अपने संचालन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध बुनाई केंद्र बनना सुनिश्चित करेगा।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	ऊनी कार्डिगन
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

1	समय लिया	एक स्वेटर बनाने में लगभग 5-6 घंटे लगते हैं।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित स्वेटर	शुरुआत में 10 स्वेटर

9. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत
  - कुछ SHG सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही ह
  - कच्चा माल आस-पास के बाजारों से आसानी से उपलब्ध है
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
  - परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- कमजोरी
  - तकनीकी जानकारी का अभाव।
- अवसर
  - नवीनतम डिजाइन वाले अच्छे उत्पादों की मांग बढ़ रही है।
- खतरे और जोखिम
  - प्रतिस्पर्धी बाजार
  - प्रशिक्षण/क्षमता में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर
  - निर्माण और कौशल उन्नयन।

10.सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य काम को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच काम उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार बांटा जाएगा। चूंकि यह एसएचजी में उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है, इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के काम के घंटों के अनुपात में होगा। हमेशा शुरुआत में उत्पादन को रूढ़िवादी पक्ष पर रखना बेहतर होता है जिसे समय बीतने और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है। इसलिए, यह माना जाता है कि प्रत्येक सदस्य अंतिम रूप से तैयार उत्पाद के रूप में प्रतिदिन एक वस्तु का उत्पादन करेगा और प्रतिदिन 10 वस्तुएं बिक्री के लिए उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

11. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	पंच कार्ड बुनाई मशीन	1	24,000	24,000
2	बुनाई मशीन (सरल)	10	6,000	60,000
3	बुनाई डिजाइन पुस्तक	1	1,500	1,500
4	गोला बनाने की मशीन	5	600	3000
5	काम करने की मेज	10	1,500	15,000
6	प्लास्टिक की कुर्सियाँ	10	600	6,000
कुल पूंजी लागत (ए) = 1,09,500 रुपये				

B. आवर्ती लागत			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	कुल राशि (रु.)
1	पानी और बिजली	महीना	1000
2	कमरे का किराया	महीना	1500
3	टूट फूट	महीना	1400
4	स्नेहन तेल और पिपेट	महीना	1400
5	विभिन्न रंग और गुणवत्ता के बुनाई धागे	महीना	45,000
कुल आवर्ती लागत = 50,300			

समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत इसमें शामिल नहीं की गई है तथा सदस्य आपस में कार्यसूची का प्रबंध करेंगे।

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	50300
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10,950
कुल =61,250		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	सरल स्वेटर	1	500
2	लम्बे स्वेटर, बटन वाले स्वेटर।	1	700

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10,950
2	कुल आवर्ती लागत	50300
3	प्रति माह कुल बुना हुआ स्वेटर	300
4	स्वेटर का विक्रय मूल्य	300×500
5	आय पीढ़ी	1,50,000
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	99,700
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

12.स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,09,500	82,125	27,375
2	कुल आवर्ती लागत	50,300	0	50,300
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	60,000	60,000	0
कुल		2,19,800	1,42,125	77,675

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी क्योंकि समूह महिलाओं का है और वे 25% गरीब हैं तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

13. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य सामान्य रेंज के अलावा अन्य रेंज के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य रेंज के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य रेंज और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

15. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति)स्वेटर)-उत्पादन लागत (प्रतिस्वेटर))
=1,09,500/ (500-420)
=1369

इस प्रक्रिया में 1369 स्वेटर बुनने के बाद लाभ-हानि प्राप्त हो जाएगी।

16. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

17. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

18. टिप्पणी

सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं। परियोजना को शेष 75% राशि वहन करनी होगी।

19. समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें:

कमला देवी

शकुंतला देवी

गोदा देवी

ब्यासा देवी

भावना देवी

तनुजा ठाकुर

शांता देवी

शीला देवी

सुषमा देवी

प्रियंका ठाकुर

20. समूह फोटो:

स्वयं सहायता समूह का नाम:जय गायत्री माँ **वीएफडीएस**: सरी **श्रेणी:कमलाह वनमंडल** :जोगिंदरनगर

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Jai Maa Gayatri held on 05-07-2022 at Sari that our group will undertake the Knitting as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature Of group President

Signature Of group secretary

Signature of President VFDS

स्वयं सहायता समूह का नाम:जय गायत्री माँ **वीएफडीएस**: सरी **श्रेणी:कमलाह वनमंडल** :जोगिंदरनगर

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Jai maa Gaytri Group will undertake the Knitting as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 2,19,800 has been submitted by the group on 05-07-2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Sari .

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

प्रधान Sushma Devi सचिव
जय गायत्री माँ SHG सरी
विकास खण्ड धर्मपुर
जिला मण्डी (हि०प्र०)

Signature Of group President

P.Thakur
प्रधान सचिव
जय गायत्री माँ SHG सरी
विकास खण्ड धर्मपुर
जिला मण्डी (हि०प्र०)

Signature Of group secretary

प्रधान सचिव
ग्राम वन विकास समिति सरी
ग्राम पंचायत सरी, तह० धर्मपुर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

Signature of President VFDS

Approved

DMU cum DFO Joginder Nagar

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar